CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
Affiliated to Patliputra University,Patna

प्रेस विज्ञप्ति

कैटलिस्ट कॉलेज समूह के 54 छात्रों का हुआ विप्रो में कैम्पस प्लेसमेंट

छात्रों को जॉब के साथ 'बिट्स पिलानी' से एम.टेक. का कोर्स भी कराएगी विप्रो

विजयम एजुकेशनल ट्रस्ट के सिमेज समूह के अंतर्गत संचालित 'कैटलिस्ट कॉलेज' मे अध्ययनरत छात्रों ने विप्रो टेक्नोलोजी के इंटरव्यू में शानदार प्रदर्शन कर एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है | कैटलिस्ट कॉलेज में आयोजित हुये मेगा कैंपस प्लेसमेंट ड्राईव मे विप्रो द्वारा इस वर्ष कुल 54 छात्रों को चयनित किया गया है | ये अपने आप मे एक रिकॉर्ड प्लेसमेंट है | चयनित छात्रों को विप्रो द्वारा, जॉब के साथ-साथ 'बिट्स पिलानी' से एम.टेक. का कोर्स भी निःशुल्क कराया जायेगा | छात्रों को 33,000/- रु. प्रति माह तक का वेतन दिया जायेगा, एम-टेक कोर्स पूरा होने पर छात्रों को कंपनी द्वारा प्रोमोशन और दो लाख का बोनस भी दिया जाएगा | इन छात्रो की नियुक्ति बीटेक के अभियार्थियों के बराबर पैकज पर हुई है | चयनित छात्रों को विप्रो के बैंगलोर, चेन्नई एवम पुणे के डेवलेपमेंट सेंटर में आई.टी.एनेलिस्ट एवं प्रोग्रामर के तौर पर नियुक्ति दी जाएगी |

सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वर्ष 2019 मे नामांकित छात्रों को उनके कोर्स के पूर्ण होने के काफी पहले ही प्लेसमेंट प्राप्त हो गया है | छात्रों के अभिभावकों मे खुशी की लहर है | छात्रों ने कहा कि उन्हे नामांकन के समय ये कल्पना नहीं थी कि इतनी बड़ी कंपनी मे उन्हे जॉब मिल जाएगा |

इस अवसर पर ढ़ोल की धुन पर थिरकते हुए छात्रों का समूह मंच पर आकर अपने अनुभवो को साझा कर रहा था |

संस्थान के निदेशक श्री नीरज अग्रवाल ने बताया कि, "सभी चयनित छात्र कैटलिस्ट कॉलेज से बी.एससी(आईटी) तथा बीसीए का कोर्स कर रहे है | 'विप्रो' जैसी प्रख्यात आई.टी. कम्पनी का बिहार के किसी एक ही शिक्षण संस्थान में इतनी बड़ी संख्या मे छात्रों को चयनित करना अपने आप में एक उल्लेखनीय घटना है, और यह कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रों की प्रतिभा को प्रतिबिम्बित करती है | पिछले 11 वर्षो में सीमेज के 1050 छात्रों का कैटलिस्ट कॉलेज से विप्रो मे चयन हुआ था, इस प्रकार अबतक कुल 1104 छात्रों को विप्रो मे जॉब प्राप्त हो चुका है | कैटलिस्ट कॉलेज से पूर्व मे चयनित छात्रों को विप्रो द्वारा पुणे, बंगलोर, चेन्नई, नोयडा, कोलकाता, भुवनेश्वर, हैदराबाद इत्यादि शहरों मे नियुक्ति दी गयी है | भारत में विप्रो का कोई भी ऐसा सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर नहीं है, जहाँ कैटलिस्ट कॉलेज के छात्र कार्यरत नहीं हैं | कई छात्रों को कार्य के दौरान 'ऑन-साईट' प्रोजेक्ट के तहत विदेशों में भी पदस्थापना मिल चुकी है | "

कैटलिस्ट कॉलेज पटना के अनेक छात्र ऐसे है जिनहोने मात्र 3-5 वर्ष की समय सीमा मे विप्रो मे जॉब पाने के बाद भारत मे 37 लाख और विदेशो मे 72 लाख तक का पैकज पाया है | छात्रों का चयन तीन स्तरीय प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरने के पश्चात् हुआ | इंटरव्यू के पहले राउंड में छात्रों की 'ऑन-लाइन' परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें छात्रों से इंग्लिश, रिजनिंग तथा मैथेमेटिकल ऐप्टीट्यूट के सवाल पूछे गए तथा इंग्लिश पैसेज राइटिंग की परीक्षा ली गयी | तत्पश्चात, पहले दौर में सफल छात्रों का 'टेक्निकल इन्टरव्यू' हुआ और उसमें से सफल छात्रों का तृतीय दौर में एच.आर. इंटरव्यू आयोजित किया गया | चयनित छात्रों की खुशी का ठिकाना नहीं था और रिजल्ट सुनते ही उनकी आंखो से खुशी के आँसू छलक पड़े | सफल छात्रों ने पूरे संस्थान मे मिठाई बाँट कर सफलता का जश्न मनाया और शिक्षको के प्रति अपना आभार प्रकट किया | सभी शिक्षकों ने छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की |

जॉब पाने वाले छात्रों में मोतीहारी की प्रगति कुमारी, हाजीपुर की सोनाली शर्मा, पटना की मानसी रंजन, मोकामा की लक्ष्मी कुमारी, मुजफ्फरपुर के मो. शमशेर, लखीसराय के शिव रंजीत राज, औरंगाबाद के गौतम कुमार, गया के आकाश कुमार, छपरा के निशांत कुमार, लखीसराय के हर्ष राज, दरभंगा के शिवजी यादव, छपरा के नूर आलम, गया के अमन कुमार, अरवल के अनुज कुमार, विक्रम के विनोद कुमार, पटना के सैफ इकबाल, मुजफ्फरपुर के प्रकाश कुमार, सोनपुर के शिवम सिंह, मुंगेर के अनीस राज, पटना के प्रतीक सिंह नाग, राहुल कुमार, गोपालगंज के रितेश कुमार, पटना के प्रियरंजन राज, जमुई के सिद्धान्त राज, सुपौल के अभिषेक कुमार, पटना के अक्षय वर्मा, कौस्तुभ राज, विनायक गुप्ता, प्रतीक सिंह, राहुल बर्नवाल, मुंगेर के राजबल्लभ, हाजीपुर के शुभम राज तथा आशीष कुमार, हाजीपुर के गौतम कुमार, सीतामढ़ी के शिवम शेखर, कटिहार के सिद्धार्थ कश्यप, दरभंगा के रंजीत कुमार, सीतामढ़ी के अंश, सिपोर के मानवेंद्र कुमार, तथा पटना के शुभम कुमार तथा गौरव कुमार शामिल हैं |

संस्थान की निदेशिका श्रीमती मेघा अग्रवाल ने कहा कि, "विप्रो में पूर्व में चयनित कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रों ने विप्रो में अपनी पहचान बनाई हैं | उनकी प्रतिभा को सराहा गया हैं एवं कई छात्रों को कार्य के दौरान पुरस्कृत भी किया गया है | छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन की वजह से विप्रो में कैटलिस्ट कॉलेज संस्थान की रेटिंग बेहतर हुई है | विप्रो के वार्षिक प्लेसमेंट ड्राईव कैलेंडर में कैटलिस्ट कॉलेज का उल्लेखनीय स्थान है | जिसका लाभ संस्थान के वर्तमान छात्रों को भी मिल रहा है |

संस्थान के डीन श्री नीरज पोद्दार ने कहा कि, "कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रों का विप्रो में इतनी बड़ी संख्या मे चयन होने के वजह है उनका मजबूत बेसिक प्रोग्रामिंग कॉन्सेप्ट और प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट स्किल्स | इसके अतिरिक्त छात्रों के कम्यूनिकेटिव इंगलिश में इंप्रूवमेंट पर कॉलेज द्वारा विशेष ध्यान दिया गया एवं जॉब इंटरव्यू के लिए छात्रों को विशेष रूप से 'इंटरव्यू हैंडलिंग स्किल्स' का प्रशिक्षण दिया गया | जिसका परिणाम छात्रों के कंप्यूटर तकनीकी ज्ञान मे दक्षता, इंगलिश बोलचाल मे प्रवीणता तथा छात्रों के ओवरऑल व्यक्तित्व विकास मे रूप में सामने आया है|"